नवभारत
। संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी । प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी ।

बदलते दौर में भारत की संतुलित कूटनीति

फिलिपींस की राजधानी मनिला में हाल ही में आयोजित बहुपक्षीय बैठकों के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की चीन और रूस के विदेश मंत्रियों से मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब वैश्विक राजनीति तेजी से नए समीकरण गढ़ रही है. एक ओर भारत और चीन के बीच व्यापार असंतुलन लगातार बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर रूस एक भारतीय नाविक की मृत्यु के मामले में सवालों के घेरे में है. ऐसे समय में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने की है.

चीन इस समय भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, लेकिन यह संबंध समानता पर आधारित नहीं है. दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी असंतुलन है और भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है. इससे न केवल घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि आर्थिक निर्भरता भी चिंता का विषय बन रही है. ऐसे में केवल व्यापार बढ़ाने की बजाय संतुलित व्यापार सुनिश्चित करना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए. जयशंकर द्वारा चीनी विदेश मंत्री के समक्ष यह मुद्दा उठाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश है कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि बराबरी का आर्थिक साझेदार बनना चाहता है.

दूसरी ओर, रूस के साथ भारत के दशकों पुराने रणनीतिक और रक्षा संबंध हैं. ऊर्जा, रक्षा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोनों देशों के बीच गहरा सहयोग रहा है. किंतु यदि किसी भारतीय नागरिक, विशेषकर नाविक, की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होती है तो भारत का दायित्व है कि वह पूरी संवेदनशीलता और दृढ़ता के साथ जवाबदेही सुनिश्चित करे. मित्रता का अर्थ यह नहीं कि कठिन प्रश्न पूछे ही न जाएं. बल्कि सच्ची साझेदारी वही होती है जिसमें पारदर्शिता और न्याय के लिए खुलकर संवाद हो.

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी ताकत उसकी रणनीतिक स्वायत्तता रही है. आज जब दुनिया अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, रूस-पश्चिम टकराव और क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है, तब भारत किसी एक गुट का हिस्सा बनने के बजाय सभी पक्षों के साथ संवाद बनाए रखने की नीति पर चल रहा है. यही कारण है कि भारत एक ओर क्वाड का सक्रिय सदस्य है, तो दूसरी ओर ब्रिक्स, एससीओ और रूस के साथ भी मजबूत संबंध बनाए हुए है. हालांकि, बदलते वैश्विक परिदृश्य में केवल संतुलन बनाए रखना पर्याप्त नहीं होगा. भारत को अपने आर्थिक, सामरिक और मानवीय हितों की रक्षा के लिए अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखनी होगी. चीन के साथ व्यापार हो, रूस के साथ रणनीतिक सहयोग या किसी भी देश के साथ द्विपक्षीय संबंध. राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहने चाहिए.

जयशंकर की हालिया बैठकों का संदेश स्पष्ट है कि भारत अब कूटनीति में विनम्रता और दृढ़ता, दोनों का संतुलित प्रयोग कर रहा है. यही नीति आने वाले वर्षों में भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत करेगी. मित्रता, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी तभी सार्थक हैं, जब वे परस्पर सम्मान, समान अवसर और नागरिकों की सुरक्षा के सिद्धांतों पर आधारित हों. आज की बहुध्रुवीय दुनिया में भारत की यही संतुलित, आत्मविश्वासी और हित-केंद्रित विदेश नीति उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रही है.

स्कूल शिक्षा परस्पर विश्वास से सुधरेगी

डॉ दामोदर जैन
(NCERT के पूर्व सदस्य)

भारतीय संस्कृति में शिक्षक को केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के चरित्र का निर्माता माना गया है. 'आचार्य देवो भव:' और 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु:' जैसे सूत्र इस बात के ठोस प्रमाण हैं कि भारतीय समाज ने शिक्षक को सदैव सर्वोच्च सम्मान दिया है किंतु आज विडंबना यह है कि आज सरकारी शिक्षक व्यवस्था के भीतर सम्मान से अधिक सर्वाधिक संदेह और अनावश्यक नियंत्रण का सामना करता दिखाई दे रहा है. पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के नाम पर अनेक कठोर प्रशासनिक व्यवस्थाएँ लागू की गई हैं जिनमें ई-अटेंडेंस जैसी असुरक्षित प्रणालियाँ भी शामिल हैं.

किसी भी सार्वजनिक व्यवस्था में अनुशासन आवश्यक तो है किंतु अनुशासन और अविश्वास के बीच की रेखा बहुत ही महीन होती है. यदि कोई व्यवस्था शिक्षकों को महसूस कराने लगे कि अब उन पर भरोसा नहीं किया जा रहा है तो उसके दूरगामी दुष्परिणाम शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ सकते हैं. शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक का अध्यापक नहीं होता वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों का निर्माण भी करता है. यदि वही शिक्षक भय, मानसिक दबाव और निरंतर यांत्रिक निगरानी के वातावरण में कार्य करेगा, तो उसकी रचनात्मकता क्षरित होगी ,आत्मविश्वास टूटेगा और शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है. भयग्रस्त शिक्षक स्वतंत्र और निर्भीक नागरिकों का कभी निर्माण नहीं कर सकता.

यह विचारणीय है कि सरकार द्वारा जिन शिक्षकों पर चुनाव, जनगणना, आपदा प्रबंधन, सर्वेक्षण और अनेक राष्ट्रीय दायित्वों के सफल निर्वहन का भरोसा किया जाता है, उन्हीं शिक्षकों की दैनिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक नियंत्रण की आवश्यकता क्यों महसूस की जाती है शिक्षकों की जवाबदेही आवश्यक है, परंतु उसका आधार परस्पर विश्वास और संवाद होना चाहिए, न कि केवल यांत्रिक निगरानी और दंड.

शिक्षा का वातावरण शिक्षकों के सम्मान पर आधारित होता है. जब विद्यार्थियों के सामने ही शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से फटकारा जाता है या उनकी गरिमा को आहत किया जाता है, तब उसका नकारात्मक संदेश केवल शिक्षक और बच्चों तक सीमित नहीं रहता. इससे विद्यार्थियों के मन में अपने गुरु और शिक्षा व्यवस्था के प्रति सम्मान घट जाता है.

सरकारी शिक्षा व्यवस्था अपने शिक्षकों की प्रतिष्ठा को जितनी ऊँची उठायेगी , उतनी ही सशक्त होगी. निस्संदेह, शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना समय की आवश्यकता है. कहीं थोड़ी सी भी लापरवाही हो तो उस पर त्वरित कार्रवाई की जाना चाहिए किंतु कुछ थोड़े से अपवादों के आधार पर पूरे शिक्षक समुदाय को संदेह की दृष्टि से देखना किसी तरह से न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता. सुधार का सबसे प्रभावी मार्ग सहभागिता, संवाद और पारस्परिक विश्वास है.

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार शिक्षा में सुधार के लिए शिक्षकों के साथ व्यापक विमर्श प्रारंभ करे. एक स्वतंत्र शिक्षा आयोग या उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति बनाई जाए जो शिक्षकों, शिक्षा-विशेषज्ञों, अभिभावकों और प्रशासन के अधिकारियों से प्राप्त सुझावों के आधार पर ऐसी कार्य नीतियाँ प्रस्तावित कर सकती है, जिनमें अनुशासन और मानवीय गरिमा का संतुलन बना रहे.

शिक्षा का भविष्य केवल नई तकनीकों, बढ़ते ऐप्स और निगरानी प्रणालियों से सुरक्षित नहीं होगा. उसका वास्तविक आधार प्रेरित, सम्मानित और आत्मविश्वासी शिक्षक ही हो सकते हैं. यदि हम वास्तव में भविष्य की पीढ़ी को सक्षम, जागरूक और लोकतांत्रिक नागरिक बनाना चाहते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था का मूल मंत्र केवल अनुशासन नहीं, बल्कि शिक्षकों पर विश्वास, उनका सम्मान और परस्पर संवाद होना चाहिए.

मध्य क्षेत्र की डायरी

समान नागरिक संहिता लागू कर मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास

दिलीप झा

निश्चित रूप से 21 जुलाई 2026 मध्यप्रदेश के इतिहास का स्वर्णिम दिन के रूप में याद किया जाएगा. क्योंकि इसी दिन मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार ने विधानसभा में सर्वसम्मति से यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को पारित किया है.

इसके लागू होने से मध्यप्रदेश देश का चौथा राज्य बन गया है. हालांकि यूसीसी लागू करने की दिशा में बीजेपी शासित कई राज्यों ने पहल शुरू कर दी है क्योंकि यह देश के नागरिकों की वर्षों पुरानी मांग है कि देश के सभी नागरिकों के लिए एकसमान कानून व्यवस्था होनी चाहिए. धर्म अथवा मजहब के आधार पर देश में कानून की व्याख्या नहीं होनी चाहिए? आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में यूसीसी हमेशा रहा है.

सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से कहा है कि यूसीसी को तत्परता से लागू करें क्योंकि देश में एक विधान नहीं होने के कारण न्याय करने में न्यायाधीश और वकीलों को बहुत सारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. दुनिया के हर देश में एक विधान है तो भारत में क्यों नहीं? किसने रोका था ऐसा करने से यह एक बड़ा सवाल है. डॉ. मोहन यादव की नेतृत्व वाली सरकार ने वाकई इतिहास रचा है. 19 जुलाई को भोपाल के जगदीशपुर में अपनी कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को मंजूरी दी और दूसरे दिन ही सदन में पेश कर सबको चौंका दिया. 105 पेज के यूसीसी विधेयक में सात चैप्टर हैं, जिनमें विस्तारपूर्वक तमाम जानकारियां उपलब्ध हैं. इन चैप्टरों में विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, वसीयती उत्तराधिकार, लिव इन रिलेशनशिप सहित अन्य जरूरी प्रावधानों को विस्तार से परिभाषित किया गया है. यहां यह भी बताना जरूरी है कि आदिवासी भाई-बहन पर यूसीसी लागू नहीं होगा. क्योंकि इन्हें इससे बाहर रखा गया है. मोहन सरकार ने यूसीसी ड्रॉफ्ट को लेकर सभी वर्गों से व्यापक जनसंवाद किया और इसके लिए समिति गठित की. समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी और इसके बाद सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं. इसलिए विपक्षी दल कांग्रेस का यह आरोप लगाना कि यह चुपके से बिल पेश किया गया है, इसमें दम नहीं है. विपक्ष को इस मसले पर सिर्फ राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए. प्रदेश हित में उठाए गए कदमों का स्वागत करना एक सकारात्मक राजनीति कही जाती है. यूसीसी में कई बड़े और क्रांतिकारी बदलावों की सिफारिशें की गई हैं. नागरिकों के अधिकार को संरक्षित किया गया है.

यूसीसी लागू होने से मुस्लिम बेटी अब पिता की आधी संपत्ति की हकदार होगी. सभी धर्मों के लोगों को अब विवाह के लिए पुरुष की उम्र 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 साल अनिवार्य रूप से पालन करना होगा. गत दिनों नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-6) में खुलासा हुआ है कि मध्यप्रदेश में कम उम्र में होने वाली शादी का स्वरूप बदल रहा है. इसलिए सरकार और प्रशासन के पास यह बड़ी चुनौती होगी कि इस कानून को कैसे लागू किया जाए.

25 प्रतिशत युवा 21 की उम्र से पहले बन रहे हैं दूल्हा

अब यह समस्या सिर्फ बेटियों तक सीमित नहीं है. हर चौथा युवक 21 से पहले दूल्हा बन रहा है. पहली बार मध्यप्रदेश में 21 वर्ष की कानूनी उम्र से पहले शादी करने वाले 25 प्रतिशत युवकों की संख्या 18 वर्ष से पहले शादी करने वाली 20 प्रतिशत लड़कियों से अधिक हो गई है. विशेषज्ञ इसे पारिवारिक हालात के संकट का संकेत मानते हैं. जैसे ही बच्चे पढ़ाई छोड़ते हैं, उनके सामने कॅरियर नहीं, बल्कि शादी की जिम्मेदारी खड़ी कर दी जाती है. कम उम्र में लड़कों की शादी के मामले में मध्यप्रदेश राष्ट्रीय औसत से 9.1 प्रतिशत आगे है. सबसे हैरानी की बात है कि मध्यप्रदेश में शिक्षा से दूरी कम उम्र में विवाह बड़ी वजह है. 33.7 प्रतिशत लड़कियां ही 10वीं तक की पढ़ाई पूरी कर पा रही हैं, वहीं सिर्फ 42 प्रतिशत लड़के ही दस साल या उससे अधिक की स्कूली शिक्षा पूरी कर पा रहे हैं. हालांकि पिछले चार साल में बेटियों के बाल विवाह आंकड़े में 4 प्रतिशत का द्धव्यापक सुधार आया है, लेकिन अभी भी खतरा बरकरार है. यह प्रदेश के लिए एक बड़ी चुनौती है.

क्या ममता का आधार अब भी बाकी है!

बंगाल में 15 वर्ष शासन कर चुकीं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की पराजय और उसके बिखराव के बाद भी कुछ न कुछ प्रभाव रखती हैं. उन्होंने 21 जुलाई को शहीद दिवस के अवसर पर कोलकाता में रैली की, जिसमें भारी भीड़ देखी गई. यह शहीद दिवस 1993 में पुलिस की गोली से मारे गए 13 युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की स्मृति में मनाया जाता है. इसी दिन 3 समानांतर रैलियां हुईं. एक रैली कांग्रेस की थी और दूसरी टीएमसी के ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में अलग हुए गुट की थी, जिसमें बहुत कम लोग शामिल हुए. इसे 'फ्लॉप रैली' कहा गया. कांग्रेस की रैली शहीद मीनार पर हुई जिसमें ऋतब्रत की रैली से ज्यादा लोग थे. इतने पर भी बिड़ला प्लेनेटोरियम के पास हुई ममता बनर्जी की रैली ने सबको पछाड़ दिया. लोग उनका जोशीला भाषण सुनने पहुंचे. बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष ने ऋतब्रत बनर्जी की पार्टी को 'असली टीएमसी' करार दिया है, जिसमें पार्टी के कुल 80 विधायकों में से 58 शामिल हो गए हैं. इसके अलावा टीएमसी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 एनसीपीआई में शामिल हो गए. इस तरह ममता के पास बहुत कम सांसद-विधायक रह गए हैं. इतना होने पर भी जनता बड़ी तादाद में ममता बनर्जी की रैली में आई. यह तीनों रैलियां ढाई किलोमीटर की परिधि में हुईं. ममता बनर्जी की रैली ने यह साबित कर दिया कि यद्यपि बीजेपी के हाथों टीएमसी की चुनावी हार हो गई, लेकिन ममता बनर्जी अब भी भीड़ को आकर्षित करने के मामले में अन्य नेताओं से आगे हैं. कांग्रेस की रैली बंगाल में उसके पुन: जड़ जमाने के प्रयास के रूप में देखी जा रही है. लोग मान रहे हैं कि अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए टीएमसी सांसदों व विधायकों ने ममता का साथ छोड़ा था, लेकिन उनकी अपनी कोई लोकप्रियता नहीं है. वह ममता की वजह से निर्वाचित हुए थे. इस दौरान बंगाल की बीजेपी सरकार के मुख्यमंत्री सुबेंदु अधिकारी ने 1993 की पुलिस फायरिंग पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को सदन में पेश किया, जिसे पिछली सरकार ने इतने वर्षों से दबाकर रखा था.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मत बजाओ शंका का ढोल खुशी से अपनाओ इथेनॉल

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, रायपुर में उपभोक्ता न्यायालय ने इथेनॉल मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल से एक कार में बार-बार खराबी आ जाने पर उसके बदले दूसरी कार देने का कार निर्माता कंपनी को आदेश दिया. 2026 के आर्थिक सर्वे ने भी इथेनॉल को लेकर चेतावनी दी थी. ब्राजील ने भी अपने यहां इथेनॉल नीति लागू करने के पहले कई दशकों तक इसके इस्तेमाल को जांचा-परखा था. अभी भी इथेनॉल के पेट्रोल में मिलाने को लेकर स्पष्ट मानदंड तथा इससे होने वाली विदेशी मुद्रा की बचत को लेकर कोई सही जानकारी सामने नहीं आई है.'

हमने कहा, 'परिवर्तन को स्वीकार करने में ही समझदारी है. जैसा ईंधन मिले, इस्तेमाल कीजिए. गाड़ी तकलीफ देने लगे तो तुरंत बेचकर दूसरी गाड़ी खरीद लीजिए. हैसियतदार लोग हर 3 साल में अपनी गाड़ी अपग्रेड कर लेते हैं. वह जमाना गया जब पिता की पुरानी कार बेटा भी बड़ा होकर चलाया करता था.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यदि पेट्रोल पर से केंद्र और राज्य सरकार टैक्स हटा दें तो 80 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल का दाम होने पर पेट्रोल 40 रुपये प्रति लीटर की दर से मिल सकता है. इथेनॉल मिश्रित ईंधन से गाड़ियों का माइलेज घटने, पार्ट में जंग लगने व बेकार होने तथा कार्बोरेटर में कचरा चिपकने की शिकायतें आने लगी हैं.'

हमने कहा, 'लोगों के कहने पर मत जाओ. सरकार के कदमों पर भरोसा रखो. पहले इस्तेमाल करो, फिर विश्वास करो! विदेश से क्रूड ऑयल मंगाने पर काफी विदेशी मुद्रा खर्च होती है इसलिए ई-20 ईंधन का इस्तेमाल करो और टी-20 मैच देखो! रही बात टैक्स कम करने की तो सरकार अपनी कमाई क्यों छोड़ेगी?'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र में इथेनॉल-चावल स्कैम की जांच हो रही है. कहते हैं कि 1,160 करोड़ रुपये का चावल इथेनॉल बनाने के लिए इस्तेमाल होगा. मक्के से भी इथेनॉल बनाया जा रहा है जिससे मुर्गियों का दाना महंगा हो गया है. इससे पोल्ट्री का खर्च बढ़ गया है जो कि 60 प्रतिशत मक्का इस्तेमाल करता है. इथेनॉल बनाने के लिए 9 से 10 मिलियन टन मक्का डिस्टिलरी भेजा जा रहा है.'

हमने कहा, 'आप इतनी चिंता करेंगे तो दिमाग पर तनाव आएगा. आपको हमारी सलाह है कि खुले दिल से इथेनॉल वाले ईंधन का इस्तेमाल कीजिए और 'साड्डे नाल रहोगे तो ऐश करोगे' गाना सुनते रहिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12329 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4	■	5	
6		■	7		8		■
	■	9		■	10		11
12	13		■	14		■	
15		■	16			■	
■	17	18			■	19	
20				■	21		■
	■		■	22			

बाएं से दाएं
1. पितरों को अर्पित किया हुआ भोजन (सं.) 5. पति केशव के साथ जलकर मर जाने वाली स्त्री 6. तपा या तपाया हुआ, गरम (सं.) 7. अभिप्राय, तात्पर्य, आशय, स्वार्थ, अर्थ, उद्देश्य 9. पहनावा, वस्त्र 10. शिशु, लड़का 12. संकेत, इशारा (सं.) 14. रक्त के रंग का, माणिक नामक एक रत्न, छोटा और प्यारा बच्चा 15. धारण करने वाला, पकड़ने की क्रिया या भाव 16. स्थानापन्न, सहायक 17. अयोग्य 19. दरवाजा 20. यथाशक्ति, जहां तक हो सके 21. परिणाम, माप नापने का काम 22. कोई बात कहकर उससे पलट जाना

ऊपर से नीचे
1. पीतल के बर्तन में खटाई या अन्य पदार्थ बहुत देर रखने पर उत्पन्न कसाव 2. जिसकी इच्छा पूर्ण हो गई हो, संतुष्ट, प्रसन्न (सं.) 3. तरल पदार्थ का ठोस या गाढ़ा हो जाना, दृढ़तापूर्वक बैठना 4. झुका हुआ, विनीत 5. बलवान, जिसके साथ सेना हो (सं.) 8. ऊपर तक या किनारे तक भरा हुआ 9. कहा हुआ सार्थक शब्द या वाक्य, कथन, वार्तालाप 11. दुर्बल, अशक्त 13. गुजरात में जूनागढ़ के निकट एक पर्वत जहां जैनियों का तीर्थस्थान है 14. योग्य 16. नेता, अगुआ, सरदार, नाटक आदि का प्रमुख पात्र 18. मोर, मयूर, नर्तक (सं.) 19. चार युगों में से तीसरा युग 20. डर, खौफ 21. नासिका, प्रतिष्ठा या शोभा की वस्तु

Solution 12328

आ	ज	मा	इ	श	■	श	क
दा	■	र	ति	■	पा	र	द
ता	रि	क	■	ज	ना	ब	■
■	स	ट	क	ना	■	त	म
पी	ना	■	म	जा	क	■	धु
तां	■	कि	ला	■	र	म	■
ब	ल	■	क्षी	र	सा	ग	र
र	क्ष	क	■	मा	न	ध	न

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी. मित्र अथवा भाई का सहयोग रहेगा, वर्ष के मध्य में व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी. शासन सत्ता से सुख प्राप्त होगा. वर्ष के अन्त में आजीविका के प्रयासों में भागदौड़ रहेगी. जायजाद में व्यस्तता रहेगी. व्यापारिक स्थिति में समानता रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यापारिक स्थिति सामान्य रहेगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अध्ययन में रूचि रहेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मित्र अथवा भाई का सहयोग मिलेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आजीविका के क्षेत्र मेंभागदौड़ होगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को न्यायालयीन कार्यो मेंभागदौड़ करना होगी, सहयोग बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चतुर चंचल मिलनसार और परोपकारी होगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. निर्णय लेने में अग्रणी एवं सक्षम होगा. किसी के अधिनस्थ कार्य करना पसंद नहीं करेगा. जातक का भाग्योदय जन्म स्थान से दूर होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

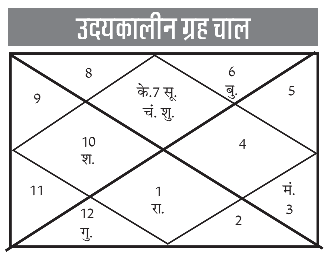

पंचांग

रा.मि. 03 संवत् 2083 आषाढ शुक्ल एकादशी शनिवासरे दिन 11/58, अनुराधा नक्षत्रे प्रात: 6/14, ब्रह्म योगे रात 11/24, विष्टि करणे सू.उ. 5/21, सू.अ. 6/39, चन्द्रचार वृश्चिक, पर्व- श्रीविष्णुशयनी, देवशयनी एकादशी व्रत, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

मेष- आपने कार्यो को समय पर पूरा करने का प्रयास करें, मनोरंजन में समय व्यतीत होगा. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. घरेलू विवादों की अनदेखी न करें.

वृषभ- पारिवारिक दृष्टि से दिन मध्यम रहने की संभावना है. विरोधी कामकाज बिगाड़ने की चेष्टा करेंगे. पूज्य व्यक्ति की सलाह हितकर रहेगी.

मिथुन- मान प्रतिष्ठा में कमी आयेगीं खर्च बढ़ने से पैसों का इंतजाम करना होगा. धार्मिक कार्यो में लगन रहेगी. सम्मान में वृद्धि होगी. संयम रखें.

कर्क- व्यापार व्यवसाय मध्यम रहेगा. नई योजनाओं का श्रीगणेश होगा. अतिथि वृषभमन का योग है. संपत्ति संबंधी विवादों का समाधान होगा.

सिंह- भौतिक सुख साधनों में रूचि बढ़ेगी. विरोधियों से सतर्क रहकर कार्य करें. आय व्यय में संतुलन रहेगा. कार्यो में रूचि रहेगी.

कन्या- व्यापार लाभदायक रहेगा. परिवार में सुख शांति रहेगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा. मनोंवांछित सफलता प्राप्त होगी.

तुला- कार्यक्षेत्र विस्तृत होगा. व्यवसायिकबाधायें दूर होंगी. जीवनसाथी का कार्य अच्छा और सहयोगी रहेगा. पारिवारिक कार्यो में रूचि रहेगी.

वृश्चिक- कानूनी मामलों में समय का ध्यान रखें, नौकरी में सफलता मिलेगी. दैनिक कार्य में यश प्राप्त होगा. प्रियजनों से विवाद को टालना हितकर रहेगा.

धनु- सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा, नए संबंध बनेंगे, अनुभवों का लाभ मिलेगा. शुभ समाचार प्राप्त होंगे. मान सम्मान में वृद्धि होगी. मनोबल बना रहेगा.

मकर- पुरूषार्थ का प्रतिफल मिलेगा, धैर्य आपको उन्नति की पराकाष्टा पर ले जायेगा. वाद विवाद से दूर रहें. आकस्मिक लाभ का योग प्रबल है.

कुम्भ- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. विरोधियों से सतर्क रहें, जल्दबाजी में कार्य न करें. अभीष्ट की प्राप्ति होगी. नौकर चाकरों का सहयोग प्राप्त होगा.

द्वपरिवार में शुभ कार्यो का निर्णय होगा. मानसिक अस्थिरता दूर करें. पुराना कार्य बनने का योग है. शुभ सूचना प्राप्त होगी. प्रापर्टी संबंधी कार्यो से बचना चाहिये.

व्यापार भविष्य

आषाढ शुक्ल एकादशी को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, धातु, मोती, पुखराज, जौ, चना, अलसी, तिल, गुड़, खांड़ रूई, कपास में वृद्धि होगी. वायदा विचार आज 1 बजकर 18 मिनिट से 25 मिनिट के बने रूख पर व्यापार कर लाभ उठायें. भाग्यांक 3723 है.

SUDOKU 7461

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7460

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7